- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...


02 बिहार राज्य भंडार निगम ने राज्य सरकार को लाभांश की राशि का चेक सौंपा

04 केसरिया महोत्सव उद्देश्यों से भटक गया स्थानीय विधायक के सारे दावे हुए फेल

# बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, शनिवार, 02 दिसम्बर 2023 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 292


## प्रधानमंत्री मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति और यूएन प्रमुख से की मुलाकात

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कॉप-28 के विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस सहित अनेक वैश्विक नेताओं से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, "वैश्विक जलवायु कार्रवाई के लिए एक महत्वपूर्ण मंच, कॉप-28 शिखर सम्मेलन में शामिल होने पर खुशी हुई। मैं गर्मजोशी से किए गए स्वागत के लिए अपने भाई मोहम्मद बिन जायद और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस को धन्यवाद देता हूं।"

# चीन की गतिविधियों पर पैनी नजर: नौसेना प्रमुख

**आईओआर में निगरानी के लिए भारत के जहाज, पनडुब्बियां, विमान, यूएवी तैनात**

**नौसेना विश्वसनीय, एकजुट और भविष्य की चुनौतियों का मुकाबला करने को तैयार**

**नई दिल्ली।** नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार ने शुक्रवार को कहा कि मालदीव और पाकिस्तान सहित हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में चीन की गतिविधियों पर भारत की पूरी नजर है। आईओआर में नौसैनिक शक्ति के रूप में क्षेत्रीय ताकतों को बनाए रखने के लिए भारत के जहाज, पनडुब्बियां, विमान, यूएवी तैनात हैं। उन्होंने नौसेना में बढ़ती अग्निवीरों की संख्या के बारे में बताया कि आईएनएस चिल्का में अग्निवीरों के तीसरे बैच के शामिल होने के साथ महिला अग्निवीरों की कुल ताकत अब 1000 का आंकड़ा पार कर गई है।

भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार आज दिल्ली में नौसेना दिवस प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस से पूर्व 10 क्षेत्रीय भाषाओं में नौसेना इतिहास की पुस्तकों का विमोचन किया। भारतीय नौसेना ने पिछले साल नौसैनिक ध्वज में बदलाव सहित बल में औपनिवेशिक और पुरातन प्रथाओं को हटाने के लिए उठाए गए कदमों की सूची भी दी। नौसेना प्रमुख एडमिरल कुमार ने कहा कि हमारी इकाइयां हमारे राष्ट्रीय हितों की रक्षा को और बढ़ावा देने के लिए हिंद महासागर क्षेत्र और उससे परे तैनात हैं। नौसेना युद्ध के लिए तैयार विश्वसनीय, एकजुट और भविष्य की चुनौतियों का मुकाबला करने लायक बनी हुई है। नौसेना में शामिल होने वाले अग्निवीरों के बारे में प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने बताया कि अग्निवीरों का पहला बैच इस साल मार्च में प्रमुख प्रशिक्षण प्रतिष्ठान आईएनएस चिल्का से स्नातक हुआ। अग्निवीरों के इस बैच में 272 महिला प्रशिक्षु शामिल थीं और इससे भी आगे बढ़ते हुए अग्निवीरों के वर्तमान बैच ने कुल 454 महिलाएं हैं। आईएनएस चिल्का में अग्निवीरों के तीसरे बैच के शामिल होने के साथ महिला अग्निवीरों की कुल ताकत अब 1000 का आंकड़ा पार कर गई है। उन्होंने बताया कि भारतीय नौसेना ने वेस्टर्न कमांड में फास्ट अटैक क्राफ्ट के कैप्टन (सीओ) के रूप में एक महिला अधिकारी की नियुक्ति की है लेकिन उन्होंने अभी तक कमान नहीं संभाली है। मालदीव और पाकिस्तान सहित हिंद महासागर क्षेत्र में चीनी गतिविधियों पर नौसेना प्रमुख ने कहा कि महासागरों को एक साझा विरासत माना जाता है। महासागरों का उपयोग किसी भी राष्ट्र की वैध आर्थिक आकांक्षाओं के लिए किया जा सकता है। चीन के पास आर्थिक गतिविधियों के लिए हिंद महासागर क्षेत्र में मौजूद रहने के पीछे वैध कारण हो सकता है लेकिन हम हिंद महासागर में नौसैनिक शक्ति के रूप में वहां क्या हो रहा है, इस पर नजर रखते हैं।

उन्होंने कहा कि हम हिंद महासागर क्षेत्र में मौजूद अतिरिक्त-क्षेत्रीय ताकतों को संतुलित बनाए रखने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र निगरानी में हम जानना चाहेंगे कि उनकी गतिविधियां क्या हैं, वे किस प्रयास में लगे हुए हैं और उनके इरादे क्या हैं।

# पीआईबी फैक्ट चेक यूनिट ने फर्जी खबरें फैलाने वाले नौ यूट्यूब चैनलों का किया भंडाफोड़

**इन नौ चैनलों में बजरंग एजुकेशन, आपके गुरुजी, बीजे न्यूज, सनसनी लाइव टीवी, जीवीटी न्यूज, डेली स्टडी, भारत एकता न्यूज, अब बोलेगा भारत और सरकारी योजना ऑफिशियल**

**नई दिल्ली।** पीआईबी फैक्ट चेक यूनिट (एफसीयू) ने शुक्रवार को भारत में फर्जी खबरें और गलत सूचना फैलाने वाले नौ यूट्यूब चैनलों का भंडाफोड़ किया है। इन नौ चैनलों में बजरंग एजुकेशन, आपके गुरुजी, बीजे न्यूज, सनसनी लाइव टीवी, जीवीटी न्यूज, डेली स्टडी, भारत एकता न्यूज, अब बोलेगा भारत और सरकारी योजना ऑफिशियल हैं। फैक्ट चेक यूनिट ने इन चैनलों द्वारा फैलाई गई झूठी सूचनाओं को नौ अलग-अलग ट्विटर थ्रेड में कई तथ्यों की जांच की है। संबंधित यूट्यूब चैनलों पर 83 लाख से अधिक सब्सक्राइबर्स पाए गए हैं, जो देश में गलत सूचनाएं प्रसारित कर रहे थे।

पीआईबी फैक्ट चेक यूनिट ने यूट्यूब चैनलों पर भारत के मुख्य न्यायाधीश, भारत के प्रधानमंत्री, मुख्य चुनाव आयुक्त, आदि सहित संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों के लिए अपमानजनक बयान दिए। कुछ चैनलों ने कुछ राज्यों में राष्ट्रपति शासन लगाने, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) पर प्रतिबंध लगाने, केंद्रीय मंत्रियों के इस्तीफे एवं मृत्यु आदि का झूठा दावा किया।

रुपये पर प्रतिबंध जैसी फर्जी खबरें 200 और रु. 500 के नोट, बैंकों का बंद होना और भारत सरकार की योजनाओं और नीतियों से जुड़ी गलत जानकारी भी इन यूट्यूब चैनलों पर प्रसारित किए जा रहे थे। इसके साथ प्राकृतिक आपदाओं और भारतीय नागरिकों की मृत्यु, सशस्त्र बलों की तैनाती और स्कूलों को बंद करने आदि से संबंधित झूठे दावे भी अपलोड किए गए थे।

## तमिलनाडु और मछलीपट्टनम पर मंडराया माइचौंग तूफान का खतरा

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग का कहना है कि दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव क्षेत्र बन रहा है, जो अगले 24 घंटे में भारी दबाव क्षेत्र में तब्दील हो जाएगा। तीन दिसंबर के आसपास यह चक्रवाती तूफान में बदल जाएगा।

शुक्रवार को चेन्नई के मौसम विज्ञान केंद्र के उप-महानिदेशक एस बालाचंद्रन ने पत्रकारों को बताया कि निम्न दबाव का क्षेत्र आज सुबह एक अवसाद में बदलता नजर आ रहा है।

यह अब दक्षिण-पूर्व खाड़ी पर स्थित है और दक्षिण चेन्नई से लगभग 790 किमी दूर है और मछलीपट्टनम से करीब 900 किलोमीटर की दूरी पर है। कल तक यानी शनिवार तक यह निम्न दवाब का क्षेत्र गहरे दबाव के क्षेत्र में बदल जाएगा। इसके अलावा यह एक चक्रवाती तूफान में बदल जाएगा। इसके 4 दिसंबर को चेन्नई और मछलीपट्टनम के बीच से गुजरने की उम्मीद है।

मौसम विभाग के अनुसार इस तूफान के चलते तटीय तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 45-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी और भारी बारिश हो सकती है।

4 दिसंबर को चेन्नई में अलग-अलग हिस्सों, चेंगलपट्टू, कांचीपुरम और तिरुवल्लुर जिले में तेज बरसात हो सकती है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा कि तमिलनाडु और पुडुचेरी में 4 दिसंबर तक ऐसा ही मौसम बने रहने का अनुमान है।

## शून्य कार्बन उत्सर्जन पर जोर

**नई दिल्ली।** बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय ने विश्व बैंक और कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के साथ मिलकर शुक्रवार को एक कार्यशाला का आयोजन किया। इसका विषय राज्य सरकार के प्रतिनिधियों और अन्य संबंधित हितधारकों के साथ मिलकर केरल के कोच्चि में हरित सागर दिशानिर्देश के लिए एक पाठ्यक्रम तैयार करना था। इस दौरान कार्यशाला में 'एमआईवी 2030' और 'अमृतकाल विजन 2047' में उल्लिखित शुद्ध शून्य उत्सर्जन के उद्देश्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक कदम आगे ले जाने पर चर्चाएं भी हुई। चर्चाएं प्रस्तावित योजना के इर्द-गिर्द घूमती रहीं, जिसमें वित्तपोषण, निर्माण और हरित पोत पहल को शुरू करने के साथ-साथ इसके लिए सहायक बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया।

**सुविधा** दुबई में कॉप-28 विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन के दौरान

# ग्रीन क्रेडिट पहल पर वैश्विक प्लेटफॉर्म किया लॉन्च

**बीएनएम@नई दिल्ली**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को लोगों की भागीदारी के माध्यम से कार्बन सिंक बनाने पर केंद्रित ग्रीन क्रेडिट पहल पर वैश्विक प्लेटफॉर्म लॉन्च किया। यह पोर्टल वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विचारों, अनुभवों और नवाचार को एक स्थान पर एकत्रित करने का काम करेगा।

दुबई में कॉप-28 विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन के दौरान ग्रीन क्रेडिट पहल पर एक विशेष सत्र में कहा, "मैं विशेष कार्यक्रम में आप सभी का स्वागत करता हूं। मैं संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं संयुक्त अरब अमीरात के साथ इस कार्यक्रम की सह-मेजबानी करके खुश हूं।" उन्होंने स्वीडन के प्रधानमंत्री का इस पहल से जुड़ने के लिए आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरा हमेशा से मानना रहा है कि कार्बन क्रेडिट का दायरा बहुत सीमित है और यह फिलॉसफी कॉमर्शियल एलिमेंट से प्रभावित है। मैंने कार्बन क्रेडिट की व्यवस्था में एक सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी का बहुत अभाव देखा है। हमें हॉलिस्टिक तरीके से नई फिलॉसफी पर बल देना होगा और यही ग्रीन क्रेडिट का आधार है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मानव जीवन में आमतौर पर प्रकृति, विकृति और संस्कृति तीन चीजों का अनुसरण करते हैं। हमारे यहां कहा जाता है- प्रकृति रक्षति रक्षितः। अर्थात् प्रकृति उसकी रक्षा करती है, जो प्रकृति की रक्षा करता है। मैं इस मंच से आह्वान करता हूं कि इस पहल से जुड़ें। साथ मिलकर इस धरती के लिए अपनी भावी पीढ़ियों के लिए एक हरा-भरा, स्वच्छ और बेहतर भविष्य का निर्माण करें।

उन्होंने कहा कि हमें देखना होगा कि क्या करने से पृथ्वी के हेल्थ कार्ड में पॉजिटिव प्वाइंट जुड़े। यही मेरे हिसाब से ग्रीन क्रेडिट है और यही मेरी ग्रीन क्रेडिट की अवधारणा है। हमें नीतियों और निर्णयों में ये सोचना होगा कि उसे पृथ्वी के हेल्थ कार्ड में ग्रीन क्रेडिट कैसे जुड़ेगा।

# बिहार राज्य भंडार निगम ने राज्य सरकार को लाभांश की राशि का चेक सौंपा

**बीएनएम@पटना**

मुख्य सचिवालय स्थित कार्यालय कक्ष में शुक्रवार शाम वित्त एवं वाणिज्यकर मंत्री विजय कुमार चौधरी को बिहार राज्य भंडार निगम के अध्यक्ष-सह-अपर मुख्य सचिव, सहकारिता विभाग दीपक कुमार सिंह ने लाभांश की राशि 1,03,81,238 रुपये (एक करोड़ तीन लाख इक्यासी हजार दो सौ अड़तीस) का चेक सौंपा।

इस मौके पर वित्त मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि निगम ने लाभ कमाया है, जिसके लाभांश की राशि का चेक सौंपा जाना अच्छी शुरूआत है। इससे यह भी प्रदर्शित होता है कि निगम बेहतर प्रबंधन के साथ अच्छे ढंग से काम कर रहा है। उन्होंने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बिहार राज्य भंडार निगम और अधिक मुनाफा कमाए ताकि इसके लाभांश की राशि राज्य सरकार को प्राप्त हो।

बिहार राज्य भंडार निगम की 62वीं वार्षिक आम सभा की बैठक 01 दिसम्बर, 2023 को अपर मुख्य सचिव, सहकारिता विभाग-सह-अध्यक्ष, बिहार राज्य भंडार निगम की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बिहार राज्य भंडार निगम ने वित्तीय वर्ष 2018-19 में 22.44 करोड़ का लाभ अर्जित किया है। आयकर विकास निधि एवं अन्य मदों में कटौती के पश्चात शुद्ध लाभ का 20 प्रतिशत लाभांश देने का निर्णय लिया गया है। राज्य सरकार निगम का मुख्य अंशधारी है। अतः 50 प्रतिशत लाभांश यानी 1,03,81,238 (एक करोड़ तीन लाख इक्यासी हजार दो सौ अड़तीस) रुपये देने का अनुमोदन आम सभा में किया गया।

इसी परिप्रेक्ष्य में आज राज्य सरकार को 1,03,81,238 का चेक निगम के अध्यक्ष-सह-अपर मुख्य सचिव, सहकारिता विभाग द्वारा समर्पित किया गया।

## टनल में फंसे सभी पांच मजदूर पटना पहुंचे, श्रम मंत्री ने किया स्वागत

**पटना।** बिहार सरकार ने फजीहत के बाद शुक्रवार को उत्तरकाशी के टनल में 17 दिनों तक फंसे रहने वाले बिहार मूल के मजदूरों की वापसी पर स्वागत के लिए अपने श्रम मंत्री को पटना एयरपोर्ट पर भेजा। पटना हवाई अड्डे पर उनके स्वागत के लिए राज्य के श्रम संसाधन मंत्री सुरेन्द्र राम मौजूद रहे। सभी श्रमिकों का फूल-माला से जोरदार स्वागत किया गया। उत्तराखंड में टनल से रेस्क्यू किए गए बिहार के पांच मजदूरों को पटना लाया गया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर सभी मजदूरों को बिहार सरकार अपने स्तर पर पटना लाई और यहां से विशेष वाहनों से उन्हें अलग अलग जिलों में भेजा गया। मजदूरों ने बताया कि वे कैसे 17 दिनों तक सुरंग में अपना जीवन बिताये।

# नीतीश सरकार के विरोधियों की साजिश नाकाम : चौधरी

**बीएनएम@पटना**

संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने शुक्रवार को यहां कहा कि नीतीश सरकार के विरोधियों की एक और साजिश नाकाम हुई। उन्होंने कहा कि जातीय गणना के आधार पर दलित एवं पिछड़े-अति पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए आरक्षण की सीमा पिछले विधान सभा सत्र में अधिनियम बनाकर बढ़ाई गई। कुछ लोग जो सरकार के साथ इन वर्गों के हितों के भी विरोधी हैं, शुरू से ही इसके विरुद्ध साजिश में लगे रहे हैं।

चौधरी ने कहा कि भाजपा के एक बड़े नेता ने घोषणा की थी कि इस कानून को न्यायालय में चुनौती दी जायेगी और तत्काल इसे चुनौती दी गई लेकिन इन सभी लोगों का षडयंत्र असफल हो गया। जब उच्च न्यायालय ने इसपर रोक लगाने से इंकार कर दिया। मुख्य

न्यायाधीश ने स्पष्ट कहा कि कानून के पूर्ण विश्लेषण एवं पक्ष-विपक्ष की बात सुने बिना इसके क्रियान्वयन पर रोक लगाना उचित नहीं है। चौधरी ने कहा कि लगता है आने वाले समय में और लोग भी बेनकाब होंगे जो पर्दे के पीछे से गरीबों की हकमारी में लगे रहते हैं।

# गांव के विद्यालय को बनाना है सुदृढ़ : केके पाठक

**बीएनएम@भागलपुर**

बिहार में शिक्षा सुधार को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहने वाले बिहार सरकार शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक ने शुक्रवार को भागलपुर जिले के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्याल, डायट, पीटीईसी फुलवरिया, मध्य विद्यालय खरवा, मध्य विद्यालय बैजानी और उच्च विद्यालय बैजानी का निरीक्षण किया।

केके पाठक ने सिटीई के निरीक्षण के दौरान वहां बीपीएससी से नियुक्त प्रशिक्षण ले रहे शिक्षकों से संवाद भी किया। इस मौके पर केके पाठक ने कहा कि आप बीपीएससी से नियुक्त शिक्षकों से सरकार को काफी उम्मीदें हैं।

अब मजदूर का बेटा मजदूर नहीं बनेगा क्योंकि शिक्षा विभाग ने काफी संख्या में शिक्षकों का चयन कर विद्यालय में उन्हें नियुक्त करने का काम किया है।

बीपीएससी के तहत चयनित प्रशिक्षण ले रहे शिक्षकों को उन्होंने कहा कि अपने विद्यालय आवंटन के पंद्रह किलोमीटर के अंदर रहें वरना नौकरी छोड़ दें।

उन्होंने कहा कि अगर आप गांव में पढ़ाई नहीं करा सकते तो दूसरा आवंटन भी शिक्षकों की प्रारंभ होने वाली है। आपको मुख्य रूप से गांव के विद्यालय को सुदृढ़ बनाना है और उसे मजबूत करना है। हम लोगों का सपना है गांव के बच्चों का सपना साकार हो और वह सपना शिक्षक ही पूरा कर सकते हैं।

के के पाठक ने कहा कि सभी शिक्षकों को वाहन चलाना सीखना अनिवार्य है। अगर शिक्षक वाहन चलाने जानेंगे तो वह अपने समय पर विद्यालय पहुंच सकेंगे। उल्लेखनीय हो कि केके पाठक के भागलपुर आने की चर्चा दो दिन से चल रही थी।

जिसको लेकर सभी विद्यालय के प्रभारी ने अपने विद्यालय को साफ स्वच्छ और रंग रोगन से तैयार कर रखा है। साथ ही कागजी प्रक्रिया को भी मजबूत कर रखा है। गौरतलब हो कि केके पाठक के भागलपुर आने के चलते भागलपुर जिला अंतर्गत शिक्षा विभाग के कर्मियों की छुट्टी भी रद्द कर दी गई है।

**चेतावनी** देश के आंतरिक सुरक्षा के लिए चेतावनी दे रहे केंद्रीय मंत्री

# अवैध मस्जिद और मदरसा बने खतरा : गिरिराज सिंह

**बेगूसराय।** केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार के सीमांचल में तेजी से बढ़ रहे अवैध मस्जिद और अवैध मदरसा को लेकर बिहार सरकार से तत्काल इस पर रोक लगाने की मांग मुख्यमंत्री से किया है।

गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को कहा है कि बिहार सरकार तत्काल मदरसों पर रोक लगाएं। सीमांचल की हालत देखकर लगता है कि ना धर्म बचेगा और ना ही धन। बिहार में लगभग तीन हजार मदरसे हैं, उन सभी की जांच होनी चाहिए। धार्मिक ब्रेनवाश की जगह प्रगतिशील शिक्षा दी जानी चाहिए।

गिरिराज सिंह ने कहा कि बिहार में अवैध मस्जिद और अवैध मदरसों की बाढ़ आ गई है। बिहार, बांग्लादेश और नेपाल के बॉर्डर से सटा हुआ है। इन बॉर्डर सीमांचल इलाकों में और अधिक कब्जा हो गया है। यह सिर्फ बिहार

ही नहीं, देश के आंतरिक सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा कर रहा है।

पीएफआई बिहार में काफी सक्रिय है, बिहार में मुसलमान की आबादी 18 प्रतिशत है। इस अवैध कब्जे को बंद कर मस्जिदों में विज्ञान की पढ़ाई शुरू होनी चाहिए। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तुरंत कार्रवाई करते हुए इस अवैध मस्जिद और मदरसों को बंद

> **बिहार में अवैध मस्जिद और अवैध मदरसों की बाढ़ आ गई है। बिहार, बांग्लादेश और नेपाल के बॉर्डर से सटा हुआ है। इन बॉर्डर सीमांचल इलाकों में और अधिक कब्जा हो गया है।**

कराएं। वोट के लालच में बहुत हो गया है।

नीतीश कुमार अब बिहार और देश के आंतरिक खतरों पर विचार करें। अगर ऐसा नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में बिहार के लोगों का धर्म, धन और संस्कृति खतरा में पड़ जाएगा। इसके लिए दोषी होंगे नीतीश कुमार और लालू यादव। नीतीश कुमार तुष्टिकरण की इस निंद्रा से उठें और देश को आंतरिक सुरक्षा के खतरा से सुरक्षित करें।

# छात्रा की गड़ासा से काटकर हत्या

**पिता के साथ मारपीट देख बचाने गई थी किशोरी**

**मोतिहारी।** जमीन कद विवाद में 15 वर्षीय छात्रा की गड़ासा से मारकर हत्या कर दी गई। मृतका कस्तूरबा विद्यालय कल्याणपुर की छात्रा थी और छुट्टी में घर आई थी। वह अपने परिजनों के साथ खेत में गन्ना काटने गई थी। जहां 15 से 20 की संख्या में आए आरोपियों ने गड़ासा से उसके सिर मारकर हत्या कर दी। छात्रा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद चकिया डीएसपी सत्येंद्र कुमार सिंह और कल्याणपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तत्काल दो आरोपी रीता देवी और मझावल राय को गिरफ्तार कर लिया है। घटना कल्याणपुर थाना क्षेत्र के शम्भूचक पंचायत स्थित वार्ड नंबर सात की है। मृतका की पहचान रामदर्शन गिरी की 15 वर्षीय पुत्री खुशबू कुमारी के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार रामदर्शन गिरी परिवार के साथ खेत में गन्ना छीलने गए थे। जहां लगभग 20 की संख्या में आए आरोपियों ने खेत में गन्ना छीलने से मना किया और रामदर्शन गिरी के परिजन के साथ मारपीट करने लगे। जिन्हें बचाने रामदर्शन गिरी की बेटी खुशबू कुमारी आई तो आरोपियों ने गड़ासा से कई बार उसके चेहरे पर प्रहार किया।

# रिटायर हुए शिक्षक, स्कूल के बच्चों की आंखे नम

**पकड़ीदयाल।** बड़े भाउक होते है विदाई के पल। विदाई कैसी भी हो आंसू आ ही जाते है। खुशी - खुशी हम विदा करते हैं। एक दूजे से मिलने का वादा करते है। गुरु को भगवान का दर्जा देने वाले देश में अब ऐसा नजारा बहुत कम देखने को मिलता हैं। जब एक सरकारी स्कूल के शिक्षक के रिटायरमेंट पर छात्र - छात्राएं के आंख भी नम हो गई। ऐसा नज़ारा पताही प्रखंड के पश्चिमी पंचायत के राजकीय मध्य विद्यालय रूपनी पांडेय टोला स्कूल में देखने को मिला। यहां 13 वर्षों से तैनात शिक्षक कमता प्रसाद गुरु के सेवानिवृत्ती पर

एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान शिक्षक एवं बच्चों ने उन्हें हसी - खुशी फूल माला व तरह तरह के उपहार भेंट किए। कामता प्रसाद गुरु बच्चें के चहेते शिक्षक थे और उन्होंने इस स्कूल में करीब 13 वर्ष तक अपना योगदान दिया। स्कूल परिसर में रिटायरमेंट के बाद स्कूल के शिक्षकों, स्कूली बच्चों के द्वारा विदाई समारोह का आयोजन किया गया था। इस समारोह में पताही प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अरविंद कुमार तिवारी, कमलकिशोर साथी, सुरेश कुमार, निरा कुमारी, मोहमद आशिक, रीना कुमारी, सचिन कुमार, रामप्रीत साह, स्कूल के प्रधानाध्यापक करुणेश कुमार, वकील राम सहित कई शिक्षक शामिल हुए। विदाई समारोह को संबोधित करते हुए करूणेश कुमार ने कहा कि बहुत सालों से हमारे स्कूल के सबसे जिम्मेदार शिक्षक रहे हैं और आपने एक अच्छे अध्यापक होने की सभी ज़िम्मेदारियों का पूरी प्रतिबद्धता से पालन किया है।

# विश्व एड्स दिवस पर चला जागरुकता अभियान, बचाव के दिए टिप्स

**एड्स का पहला मामला 1981 में डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो की राजधानी किन्शासा में सामने आया था**

**मोतिहारी।** बिहार राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी रेड रिबन क्लब के निर्देशानुसार शहर के लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय में शुक्रवार को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में पोस्टर मेकिंग कंपटीशन द्वारा एड्स के विरुद्ध जागरूकता का सफल संदेश दिया गया। प्रभारी प्राचार्य डॉ.सुबोध कुमार विश्व एड्स दिवस की ऐतिहासिकता को रेखांकित करते हुए कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार एड्स का पहला मामला 1981 में डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो की राजधानी किन्शासा में सामने आया था। उन्होंने कहा कि वर्ष 1986 में पहली बार एड्स के वायरस को एचआईवी यानी ह्यूमन इम्यूनो डेफिशिएंसी वायरस नाम मिला। 1988 से एक दिसंबर को वर्ल्ड एड्स डे मनाए जाने की शुरुआत हुई। तब से प्रत्येक साल एक दिसंबर को यह दिवस मनाकर लोगों को इसके बारे में जागरूक किया जाता है।

दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो.राजेश कुमार सिन्हा ने स्वयंसेवियों को उद्बोधित करते हुए व्यक्ति के आत्मसंयम को ही एड्स से बचाव का सबसे बड़ा उपाय बताया। उनके अनुसार एड्स बीमारी से लड़ने का एकमात्र तरीका जागरूकता ही है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो.अरविंद कुमार ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए इस वर्ष की थीम लेट कम्यूनिटी लीड के बारे में बताया कि एड्स के विरुद्ध जागरूकता की सफलता के लिए सामुदायिक प्रयास व सामाजिक सहभागिता की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यह न केवल बीमारी है बल्कि सामाजिक कलंक और भेदभाव भी है, प्यार न किए जाने और नफरत किए जाने की भावना धीमे जहर की तरह काम करती है। हमें अपने प्यार और देखभाल के जरिए उनमें यह विश्वास पैदा करने की जरूरत है कि एचआईवी पॉजिटिव मरीज अभी भी लंबा और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा बनाए गए पोस्टर में एड्स बीमारी की प्रकृति, एड्स की भयावहता, एड्स की संक्रमणशीलता व असंक्रमणशीलता तथा एड्स की रोकथाम का संदेश परिलक्षित हो रहा था। स्वयंसेवकों द्वारा बनाए गए पोस्टरों का दो सदस्यीय निर्णायक मंडली सहित सभी शिक्षकों ने अवलोकन कर मूल्यांकन किया। दो सदस्यीय निर्णायक मंडली मंडली में संयुक्त परीक्षा नियंत्रक डॉ.कुमार राकेश रंजन व हिंदी सहायकाचार्य डॉ.रवि रंजन सिंह शामिल थे।

मूल्यांकन उपरांत पोस्टर मेकिंग कंपटीशन में जंतु विज्ञान विभाग के पार्ट थ्री की सुफिया अंजुम को प्रथम, वनस्पति विज्ञान विभाग के पार्ट टू की संध्या कुमारी को द्वितीय तथा भौतिकी विभाग सेमेस्टर वन के छात्र श्रेयांशु उपाध्याय को तृतीय विजेता घोषित किया गया। एड्स के विरुद्ध जागरूकता के अवसर पर सहायकाचार्यों की ओर से प्रो.राजेश कुमार सिन्हा, डॉ. संतोष विश्नोई, डॉ. स्वर्णा रानी, डॉ.प्रीति प्रिया तथा प्रतिभागियों की ओर से शाइस्ता प्रवीण, शुभांगी भारती, अंशिका अनुरंजिनी, मनोज, अवनीश, शैलेंद्र, चंद्रभूषण सहित अन्य उपस्थित रहे।

# बेतिया में टीचर्स के खिलाफ FIR, नौकरी से बर्खास्त करने का नोटिस

**बीएनएम@बेतिया**

बिहार में पश्चिम चम्पारण जिले के बेतिया में शिक्षा विभाग की ओर से एक सख्त फरमान जारी हुआ है। इस आदेश में छह शिक्षकों पर प्राथमिकी दर्ज करने और नौकरी से बर्खास्त करने का विभाग ने नोटिस जारी किया है। आदेश के अनुसार 24 घंटे के अंदर इन शिक्षकों को नोटिस का जवाब देना है। नोटिस का जवाब नहीं देने वाले शिक्षकों को बर्खास्तगी के साथ प्राथमिकी का भी सामना करना पड़ सकता है।

## शिक्षकों को भड़काने और छवि धूमिल करने की मंशा!

पश्चिमी चम्पारण जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी की

ओर से इन शिक्षकों को नोटिस भेजा गया है। नोटिस में कहा गया है कि शिक्षा विभाग की ओर से 17 नवंबर 2023 को शैक्षणिक वर्ष 2024 के लिए जारी अवकाश कैलेंडर को लेकर समस्या होने पर विभाग के पदाधिकारियों के समक्ष बात रखनी चाहिए थी।

लेकिन प्रखंड या जिला स्तर के पदाधिकारियों के समक्ष अपनी बातों को बगैर रखे ही इस आदेश के विरुद्ध 28 नवंबर को वॉट्सऐप ग्रुप में संदेश डालकर प्रसारित किया गया। इस तरह के व्यवहार से शिक्षकों को भड़काने की मंशा प्रदर्शित होती है। इसके अलावा शांति व्यवस्था भंग करने, अपने प्रशासी पदाधिकारी के खिलाफ षड्यंत्र करने और विभाग की छवि धूमिल करने की कोशिश हुई। इस तरह की कार्रवाई स्वेच्छाचारिता, अनुशासनहीनता और उदंडता की घोर पराकाष्ठा को पार करना है। इसलिए सभी को आदेश दिया जाता है कि पत्र प्राप्ति के 24 घंटे के अंदर साक्ष्य आधारित स्पष्टीकरण दें। अन्यथा विलंब की स्थिति में माना जाएगा कि उन्हें कुछ नहीं कहना है। ऐसे में वरीय पदाधिकारी के खिलाफ शिक्षकों को उकासने के आरोप में बिहार नगर प्रारंभिक विद्यालय सेवा (नियुक्ति, प्रोन्नति, स्थानांतरण और सेवाशर्त) नियमावली 2020 के कंडिका (1) के (ख) के (4) के आलोक में नियोजन निरस्त करने के साथ उनसभी के खिलाफ निकट के थाना में प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई प्रारंभ कर दी जाएगी।

# कार सवार ने दो को रौंदा, एक की मौत

**मुजफ्फरपुर।** जिले में कार सवार ने दो युवकों को रौंद दिया गया। इस घटना में एक युवक की मौत हो गई जबकि, एक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर जमकर हंगामा किया।

आक्रोशित लोगों ने आरोपी चालक की जमकर पिटाई की। चालक बुरी तरह से घायल हो गया है। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी की स्थिति बन गई। सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। पूरा मामला औराई थाना क्षेत्र के खेसारी गांव के पास की है, जहां तेज रफ्तार कार के चालक ने दो युवकों को रौंद दिया।

## एक युवक की मौके पर मौत

दोनों युवक एक ही साइकिल पर सवार थे। मृतक की पहचान माधोपुर गांव निवासी अनिल सहनी (उम्र 30) के रूप में हुई है। उग्र भीड़ ने पुलिस की मौजूदगी में चालक की जमकर धुनाई की है, जिसका वीडियो भी सामने आया है। वहीं इस हादसे में दूसरा युवक विपिन साहनी (28) की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है, जिन्हें इलाज के लिए एसकेएमसीएच मेडिकल कालेज भेज गया है।

इस सड़क हादसे से गुस्साए स्थानीय लोगों ने घटनास्थल पर जमकर हंगामा किया है। ग्रामीणों ने सड़क जाम कर प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। घटना के संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि कार चालक नशे की हालत में था, जिसके कारण उसने कार से अपना नियंत्रण खो दिया। इसी क्रम में तेज रफ्तार कार के चपेट में दोनों ग्रामीण आ गए।

## घटना का वीडियो वायरल

वहीं, इस घटना का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें देखा जा रहा है कि आरोपी युवक को पुलिस हिरासत में लेकर जा रही है। सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण जुटे हुए हैं। पुलिस के पास ही आरोपित की पिटाई करने लगते हैं। पुलिस किसी तरह से आरोपी को आक्रोशितों के चंगुल से छुड़ा पाती है।

# केसरिया महोत्सव उद्देश्यों से भटक गया

## फ्लॉप शॉ से लोगों में नाराजगी, स्थानीय विधायक के सारे दावे हुए फेल

ग्राउंड रिपोर्ट

सागर सूरज

**बीएनएम@मोतिहारी।** केसरिया महोत्सव में गीत और संगीत को नजर अंदाज कर दिया जाए तो लाखों रुपए खर्च के बावजूद भी यह महोत्सव महज एक फ्लॉप शॉ ही नही क्षेत्र की जनता के छलावा साबित हुआ है। कुल मिलाकर स्थानीय विधायक के सारे दावे फेल हो गई। तीन दिवसीय केसरिया महोत्सव का गुरुवार को समापन हुआ। इसके साथ हीं महोत्सव के क्रम में कैफेटेरिया के उद्घाटन व करोड़ों की लागत से विकसित किये जाने वाले पर्यटन स्थल का शिलान्यास कार्य एक बार फिर से अधर में लटक गया। वर्षों से निर्माण के बाद भी आज तक कैफेटेरिया का शुभारंभ नहीं हो सका है। यही नहीं स्थानीय विधायिका एवम क्षेत्र के संबंधित जनप्रतिनिधि द्वारा कैफेटेरिया के उद्घाटन को लेकर बड़े बड़े दावे व वादे किये जाते रहे हैं। लेकिन यह दावा व वादा सब फिसड्डी साबित हो रहा है। 18 करोड़ की लागत से पर्यटन के विकास हेतु एक योजना का भी शिलान्यास नही हो सका। जिससे पर्यटकों व क्षेत्रवासियों में निराशा है।

### धरी की धरी रह गई सारी तैयारियां

तीन दिवसीय केसरिया महोत्सव का आयोजन 28, 29 व 30 नवंबर को हुआ। इस पर लाखों रुपया खर्च किया गया। इस आयोजन के क्रम में कैफेटेरिया का उद्घाटन भी होना लगभग तय था। जिसमें मुख्यमंत्री की आने की प्रबल संभावना थी।

उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के नाम भी शिलापट्ट पर था, लेकिन दोनों में किसी के नही आने से स्थानीय विधायिका की खूब फजीहत हो रही है। मुख्यमंत्री के आने की खबर से तैयारी भी व्यापक स्तर से की गई थी। विधायक शालिनी मिश्रा के द्वारा कार्यक्रम स्थल पर मुख्यमंत्री के स्वागत को लेकर बड़े बड़े बैनर भी लगाए गए। लेकिन मुख्यमंत्री के नहीं आने से विधायक की क्षेत्र में काफी किरकिरी हो रही है। बात करें कैफेटेरिया की तो इसके मुख्य द्वार पर उद्घाटन को लेकर शिलापट्ट लगाने की भी व्यवस्था तक पूरी कर ली गई थी। एक शिलापट्ट पर मुख्यमंत्री के द्वारा 28 नवंबर को मार्गीय सुविधा निर्माण कार्य का उद्घाटन होना भी दिखाया गया है। जिसमें डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को उद्घाटन कार्यक्रम का अध्यक्ष बताया गया है। लेकिन यह शिलापट्ट आज भी मुंह चिढ़ाता नजर आ रहा है।

बता दे कि क्कैफेटेरिया का निर्माण कार्य वर्ष 2011 में प्रारम्भ हुआ था और इसकी अनुमानित लागत करीब छः करोड़ बताया गया था। कैफेटेरिया निर्माण को लेकर करीब पाँच एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया गया था।

इसका निर्माण पर्यटन विभाग बिहार सरकार द्वारा कराया गया है

**विपक्षियों की माने तो केसरिया महोत्सव एक फ्लॉप शॉ साबित हुआ है और इस पूरे मामले में विधायिका के मेहनत पर पानी फिर गया। ऐसा लगत है कि मुख्यमंत्री अपने विधायिका को गंभीरता से नहीं सुनते है। विधायिका का मुख्यमंत्री पर थोड़ा भी प्रभाव होता तो वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन कार्य संपन्न करवा सकती थी। लेकिन फिर से सारे कार्य अधर में लटक गया। इधर मामलें विधायक शालिनी मिश्रा से बात करने का प्रयास किया गया तो सम्पर्क स्थापित नही हो सका।**

# बिहार के लड़के ने जीता सात समंदर पार बैठी किम का दिल

**बीएनएम@बेतिया**

सात समुंदर पार से पहुंची विदेशी युवती ने हिंदू रीति रिवाज से रामनगर के युवक से शादी रचाई है। साउथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग की रहने वाली युवती किम मोलेनार और रामनगर के अमित कुमार की शादी जिले में चर्चा का विषय बनी हुई है। अमित नौकरी के सिलसिले में जोहान्सबर्ग में ही रह रहे थे। इसी दौरान उनकी कंपनी में काम करने वाली मोलेनार से उनकी मुलाकात हुई। दोनों में नजदीकियां बढ़ीं और एक दूसरे को दिल दे बैठे। इसके बाद दोनों ने शादी करके एकसाथ रहने का फैसला किया।

बता दें कि रामनगर के आर्यनगर मोहल्ला निवासी पीएमवीएस कॉलेज के लेक्चरर प्रफुल्ल चंद्र ठाकुर के बेटे अमित कुमार साल 2013 में साउथ अफ्रीका गए थे। वहां जोहान्सबर्ग में वह मार्केटिंग लीडर के तौर पर काम करने लगे।

इस दौरान इसी कंपनी में पैम मोलेनर की बेटी किम से उनकी मुलाकात हुई। कुछ साल दोनों में अच्छी दोस्ती रही और दोनों में नजदीकियां बढ़ने लगीं। दोनों एक दूसरे से प्रेम करने लगे। इसके बाद दोनों इस रिश्ते को हमेशा के लिए मजबूत करने का फैसला किया। फिर शादी के बंधन में बंध गए।

### सैंकड़ों लोग बने इस शादी के गवाह

बताया जा रहा है कि इन दोनों के परिवार वालों को यह थोड़ा नागवार गुजर रहा था, लेकिन दोनों की खुशी के आगे इनके माता-पिता को झुकना पड़ा। सभी लोग इनकी शादी हिंदू रीति रिवाज से संपन्न कराने के लिए राजी हो गए। वहीं किम की मां पैम ने भी शादी के लिए हामी भर दी थी, जिसके बाद ही शादी का दिन निर्धारित हो सका। किम अपनी मां के साथ साउथ अफ्रीका से बिहार के रामनगर पहुंच गई। सारी तैयारियों के बाद अमित और किम की शादी हिंदू रीति रिवाज से हुई। इस शादी के गवाह नगर के सैकड़ों लोग बने।

### सोशल मीडिया पर शेयर हो रहीं तस्वीरें

दोनों ने रामनगर में धूमधाम से शादी की है। इन्हें को आशीर्वाद देने के लिए सैकड़ों लोग जमा हुए थे। वहीं इस शादी से किम की मां पैन बहुत खुश नजर आ रही थीं। उन्होंने अपने मोबाइल में शादी के तस्वीरें लीं। इस खुशी के पल को उन्होंने साउथ अफ्रीका में बैठे अपने परिवार वालों को साझा किया। इसके साथ ही शादी के दिन कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोगों ने इस अनोखी जोड़ी की शादी को अपने कमरे में कैद कर लिया। इसके बाद लोग इन दोनों की तस्वीरों को सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं।

# दिनेश अग्रवाल ने रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष से ट्रेन परिचालन को लेकर की मुलाकात

**नरकटियागंज-रक्सौल भाया सिकटा रेल खंड 10 जोड़ी ट्रेन चलती थी अब केवल एक जोड़ी ही ट्रेन चलती है**

**सिकटा में लोगों ने इस बार मन बना लिया हैं कि "रेल नहीं तो वोट नहीं"**

बगहा। वाल्मीकि नगर संसदीय क्षेत्र के नरकटियागंज भाया सिकटा रक्सौल रेलखंड एवं बगहा भाया नरकटियागंज पाटलिपुत्र तथा देश की राजधानी नई दिल्ली से ट्रेनों के नियमित परिचालन के लिए बगहा के स्वाभिमान ट्रस्ट के अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल ने रेलवे बोर्ड अध्यक्ष, से मिलकर समस्या का समाधान करने के लिए एक ज्ञापन दिया है।

ज्ञापन में ट्रस्ट के अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल ने कहा है कि विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश की नम्बर एक संसदीय क्षेत्र (संख्या 01) वाल्मीकि नगर और बापू की कर्म भूमि चम्पारण से आता हूं। वाल्मीकीनगर लोकसभा क्षेत्र अभी भी रेलवे की सुविधाओं से कोसों दूर हैं। भाजपा कार्यकर्ता होने के नाते जहां कहीं भी जाता हूं तो लोग रेल की समस्या की आवाज उठाते हैं। लोगों को भारत सरकार से बड़ी उम्मीद हैं। उन्होंने कहा है कि उक्त लोकसभा के अंतर्गत वाल्मीकीनगर, बगहा, रामनगर तथा सिकटा विधानसभा और इसके आस पास के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र की आबादी कुल मिलाकर लगभग 8 से 10 लाख के करीब हैं। इस रूट पर राजधानी पटना तक के लिए एक इंटरसिटी ट्रेन की सुविधा बहाल हैं, जिसको (15201,15202) नरकटियागंज की बजाय बगहा से शुरू किया जाय और रामनगर में एक स्टॉपेज दिया जाय। जिससे कई यह क्षेत्र सीधे पटना से जुड़ जाय। जनता की वर्षो की नाराजगी दूर हो, क्योंकि यह मांग लंबे वक्त से लंबित हैं और कई प्रयासों के बाद भी अब तक नहीं हुआ हैं। उन्होंने कहा कि सिकटा विधानसभा क्षेत्र के लगभग दो से ढाई लाख आबादी वाला क्षेत्र रेल सुविधा के मामले में बहुत पीछे हैं, यहां के लोगों ने इस बार मन बना लिया हैं कि "रेल नहीं तो वोट नहीं"। सिकटा को गोरखपुर सहित देश की राजधानी नई दिल्ली तथा राज्य की राजधानी पटना के लिए रेल सुविधा बहाल की जाय। अग्रवाल ने कहा कि गोरखपुर से होते हुए नरकटियागंज भाया सिकटा रक्सौल होते हुए दरभंगा तक ट्रेन की सुविधा बहाल की जाय।उन्होंने बताया है कि पहले नरकटियागंज - रक्सौल भाया सिकटा रेल खंड 10 जोड़ी ट्रेन चलती थी अब केवल 1 जोड़ी ही ट्रेन चलती है। 2024 के चुनावी साल में यह मुद्दा विकराल रूप धारण ना कर लें, इसलिए इसका जल्द से जल्द निस्तारण किया जाय।

उन्होंने कहा कि इसको गंभीरता से देखते हुए जल्द से जल्द इस पर फैसला होता है तो केंद्र सरकार के प्रति जो नाराजगी है। रेल मंत्रालय के माध्यम से केंद्र सरकार की छवि और मजबूत बन सकती हैं और आने वाले समय में सरकार की स्थिति और मजबूत हो सके इसके लिए क्षेत्रवासी आजीवन आभारी रहेंगे।

# जलसा का आयोजन

रामगढ़वा। रामगढ़वा के सकरार बहुअरी स्थित मदरसा दारुल बनात में भव्य जलसा का आयोजन किया गया। जिसमें देश के नामचीन इस्लामी विद्वानों नें भाग लिया। कोलकाता से मौलाना सोहराब, हाफिज वकारी बशीर, जनाब फिरदौस, शकील अहमद, साजिद हुसैन चतुर्वेदी इत्यादि लोगों ने भाग लिया। मंच संचालन मौलाना अशरफ अजीज के द्वारा किया गया। इस जलसा के संबंध में अशरफ अजीज ने बताया कि जलसा का आयोजन कौमी एकता को बढ़ावा देने के साथ सामाजिक सुधार और तालीम को बढ़ावा देने के लिए किया गया है। इसमें इलाके से भारी संख्या में लोग पहुंचे हुए थे और सबको खाने रहने और पर्दा की समुचित व्यवस्था की गई थी। जलसा को संबोधित करते हुए इस्लामी विद्वानों जलसा कहा कि इस्लाम में मानवता को प्रमुख स्थान दिया गया है। यहां कट्टरता की कोई जगह नहीं है। इस्लाम बताता है कि परिवार समाज और मुल्क की रक्षा सर्वोपरि है। एक सच्चा मुसलमान अपने पड़ोसी के दुख सुख में हमेशा हाथ बटाता है। चाहे पड़ोसी मुस्लिम हो अथवा किसी अन्य धर्म का हो। बताया गया कि धर्म के नाम पर कभी भी विद्वेष नहीं रखना चाहिए। जितना आदर अपने धर्म के लिए किया जाता है वही दूसरे धर्म के साथ भी होना चाहिए। क्योंकि इस्लाम मानवता पर आधारित धर्म है। इस जलसा के सफल संचालन को लेकर अब्दुल रशीद को आयोजन समिति का सदर जबकि जफ़रुल हक को सेक्रेटरी बनाया गया था। मौके पर विधि व्यवस्था व अन्य संचालन को लेकर स्थानीय सरपंच राज मोहम्मद हवारी, मुख्तार मियां, अजहर जावेद, मोहम्मद अतिउल्लाह, अमीर मियां पैगंबर इत्यादि लोग मौजूद रहे। इसमें भारी संख्या में हिंदू समुदाय के लोगों ने भी भाग लिया।

BORDER NEWSMIRROR

Saturday 02 December 2023

# Editorial

## क्या निमोनिया भी चीन की देन है

जानलेवा 'निमोनिया' ने दस्तक दे दी है। कई जगहों पर तो कहर बरपा रहा है। लोग खौफजदा इसलिए हैं क्योंकि बात बच्चों के स्वास्थ्य की है। वैसे, अभी तक अधिकांश एशियाई देश ही इस बीमारी की चपेट में है। संभावित खतरों को देखते हुए सभी देश मेडिकल अलर्ट पर हैं क्योंकि निमोनिया का केंद्र चीन में है। कोविड का केंद्र भी चीन ही था। निमोनिया फैलने की खबर के बाद दुनिया में आवाज उठने लगी है कि क्यों चीन मानव स्वास्थ्य का दुश्मन बना हुआ है? सच्चाई चीन ही जानता है। पर, कोविड-19 को फैलाने का ठप्पा तो उसके माथे पर चस्पा है। अब नई आफत निमोनिया ने खड़ी कर दी। निमोनिया को लेकर भी चीन दुनिया के निशाने पर है। चीन में रहस्यमय निमोनिया की चपेट में ज्यादातर बच्चे ही आ रहे हैं। लाखों स्कूली इससे प्रभावित हैं। विगत कुछ दिनों से वहां के तमाम अस्पताल निमोनिया पीड़ित बच्चों से खचाखच भरे हैं। फिलहाल, चीन इस बीमारी को अज्ञात बता रहा है। चिकित्सा विज्ञान ने इसका नामकरण 'एवियन इन्फ्लुएंजा' से किया है। वायरस भी बता रहे हैं। वायरस को 'एच9-एन2' नाम दिया है। लेकिन पूर्ववर्ती सच्चाइयों पर गौर करें तो इससे पहले भी आई फ्लू, स्वाइन फ्लू, कोरोना और अब ये 'एवियन इन्फ्लुएंजा' सभी चीन ने ही दुनिया को बिन मांगे दिए हैं। डब्ल्यूएचओ ने हमेशा की तरह सावधानी बरतने को कहा है। चीन का वुहान चिकित्सीय प्रयोगशाला मेडिकल रिसर्च के लिए पहेली बना हुआ। क्योंकि वहां के निर्मित वायरस और जैविक अनुसंधान, अजन्मी बीमारियां, घातक वायरस और उनके सब-वेरिएंट संसार पर कहर ढा रहे हैं। ताज्जुब इस बात का है कि सबकुछ जानते हुए भी ग्लोबल स्तर के तमाम तथाकथित वैश्विक स्वास्थ्य संगठन न तो चीन को जवाबदेह ठहरा रहे हैं और न ही कोई कार्यवाही करने का मन बनाते हैं। चिकित्सा विज्ञान को तय करना है कि वास्तव में निमोनिया के पीछे चीन की हिमाकत है या नहीं। इस पर अभी कुछ कहा भी नहीं जा सकता लेकिन संदेह की कई वजहें हैं।

## पाक परस्तों के साथ महबूबा का प्रेम तो देखो

**आर.के. सिन्हा**

अहसान फरामोशी के मामले में जम्मू-कश्मीर के कुछ लोगों का कोई जवाब नहीं है। उनकी बार-बार भारत के प्रति घृणा सामने आती ही रहती है। यह तो तब है जब भारत सरकार जम्मू-कश्मीर राज्य के लिए तमाम जन कल्याणकारी योजनाओं को लागू कर रही है। अब ताजा मामले को ही देख लें। राज्य के गांदरबेल में मौजूद 'शेर-ए-कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी' के सात छात्रों को गिरफ्तार किया गया है। इन कश्मीरी छात्रों पर आरोप है कि इन्होंने विगत 19 नवंबर को क्रिकेट वर्ल्ड कप फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया के हाथों भारत की हार के बाद जमकर जश्न मनाया और पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए गए। छात्रों के ऊपर 'गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम' यानी यूएपीए के तहत केस दर्ज किया गया है। उन्हें अब दिन में तारे नजर आने लगेंगे। यूएपीए के तहत गिरफ्तार किए लोगों के लिए जमानत मिलना भी मुश्किल होता है। अगर किसी के ऊपर इस धारा के तहत मुकदमा दर्ज हो जाता है, तो उसके लिए निचली अदालतों से जमानत लेना बेहद कठिन होता है। इन छात्रों की हरकत के बारे में एक गैर-कश्मीरी छात्र ने शिकायत दर्ज करवाई थी। उसने कहा था कि जब ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराया, तब उनकी यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में कश्मीरी छात्रों ने खुलेआम जश्न मनाया। इसकी वजह से वह और उसके बाकी साथी डर गए। डरे और सहमे छात्रों ने हॉस्टल में फोड़े जा रहे पटाखों को लेकर भी आपत्ति जताई। मगर कश्मीरी छात्र जश्न मनाते रहे। शिकायत के बाद पुलिस ने इन सातों कश्मीरी छात्रों को उनके हॉस्टल से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए छात्रों की पहचान तौकीर भट, मोहसिन फारुक वानी, आसिफ गुलजार वार, उमर नजीर डार, सैयद खालिद बुखारी, समीर राशिद मीर और उबैद अहमद के रूप में हुई है। गिरफ्तार कश्मीरी छात्र 'जीवे जीवे पाकिस्तान' (पाकिस्तान जिंदाबाद) के नारे लगा रहे थे। हालांकि कश्मीर में यह कोई पहली बार तो हो नहीं रहा है। कश्मीर घाटी में पाकिस्तान परस्त समय-समय पर सामने आने ही लगते हैं। हालांकि इनकी संख्या कोई बहुत तो नहीं है, पर यह नहीं कहा जा सकता है कि वहां किसी का भी दिल पाकिस्तान के लिए नहीं धड़कता है। जम्मू-कश्मीर के कुछ वे नेता भी उन पाकिस्तान के चाहने वालों के हक में खड़े हो जाते हैं जो विधायक या सांसद भी रहे हैं। जिन्होंने भारत के संविधान में अपनी आस्था की कसम भी खाई है। पाकिस्तान के हक में नारेबाजी करने वाले छात्रों को गिरफ्तार किया तो पीडीपी की नेता महबूबा मुफ्ती को बहुत तकलीफ शुरू हो गई। उनका पाकिस्तान प्रेम सिर चढ़ कर सामने आ गया। उन्होंने गिरफ्तार छात्रों के लिए तत्काल पैरवी करनी चालू कर दी। वह पहले भी पाकिस्तान के साथ बेशर्मी के साथ खड़ी हुई नजर आती ही रही हैं। याद नहीं आता कि जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने मुंबई हमलों के गुनहगारों को फांसी देने की भी कभी पाकिस्तान सरकार से मांग की हो। यह भी याद नहीं आता कि महबूबा मुफ्ती ने पाकिस्तान के घोर भारत विरोधी नेताओं जैसे शेख राशिद अहमद और फावद चौधरी की बयानबाजी पर कभी आपत्ति जताई हो। यह दोनों भारत पर एटमी हमला तक करने की धमकी देते रहे हैं। तब महबूबा मुफ्ती की जुबां सिल जाती है, जब वहां का कोई नेता भारत पर हमला करने की बातें करता है। जरा सोचिए कि जिस पाकिस्तान को सारी दुनिया आतंक का गढ़ मानती है, उसके प्रति महबूबा मुफ्ती का प्रेम कितना खुलकर सामने आ जाता है।

**(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)**

Today's Opinion

## क्लास रूम तक ड्रग्स की दस्तक, शिक्षण संस्थाएं फिर भी चुप?

**डॉ. रमेश ठाकुर**

ड्रग्स तस्करी में छात्रों की गिरफ्तारी ने 'शिक्षा मंदिरों' की विश्वसनीयता पर सीधे सवाल खड़े कर दिए हैं। एनसीआर क्षेत्र के विभिन्न नामी शिक्षण संस्थाओं में फैला 'ड्रग्स का सिंडिकेट खेल, कोई आज का नहीं, बहुत पहले का है। कॉलेजों के भीतर छिटपुट घटनाएं पूर्व में भी बहुतेरी हुई जिसे कॉलेज प्रशासन द्वारा दबाया गया। कई बार क्लास रुम में छात्रों ने नशे में साथी क्लासमेट के साथ खूनी वारदात को भी अंजाम दिया, फिर भी कोई एक्शन नहीं लिया गया। इस पूरे खेल की जानकारियां शिक्षा संस्थाओं के टॉप मैनेजमेंट को बहुत पहले से थी। लेकिन, बदनामी का डर कहें, या शिक्षा की दुकानें बंद होने भय? इन दोनों के डर के चलते सच्चाई पर पर्दा डाला जाता रहा। स्थानीय पुलिस-प्रशासन के बड़े ओहदेदार अफसर इस बात को स्वीकारते हैं कि उन्हें पूरे तंत्र की जानकारियां मौखिक रूप से तो थी, लेकिन, ठोस सबूत और मुकम्मल सूचनाएं नहीं होने से कार्रवाई से वंचित थे। पर, बीते सोमवार यानी 27 नवंबर का दिन शायद मुकर्रर था जिसके बाद पूरा तंत्र एक्सपोज हुआ। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने कई ड्रग्स तस्करों के एक साथ नोएडा में दबोचा। लेकिन ये कार्रवाई अचंभित करने वाली रही। पुलिस भी दंग रह गई, जो तस्कर दबोचे गए इनमें ज्यादातर नोएडा के नामी शिक्षण संस्थानों के छात्र हैं। पूछताछ हुई तो प्रशासन के होथ ही उड़ गए। आरोपी छात्रों ने कबूला कि वो एक नहीं, बल्कि नोएडा के तकरीबन सभी प्रसिद्ध कॉलेजों में ड्रग्स की सप्लाई सालों से करते आए हैं। इस खेल में छात्र ही नहीं, हर क्षेत्र के लोग संलिप्त बताए जाते हैं। छात्र ड्रग्स की सप्लाई स्नैपचैट, टेलीग्राम, व्हाट्स ऐप व छोटा पार्सल के जरिए करते थे। उन्हें नशीला पदार्थ देता कौन था? उपलब्ध कहां से और कौन करवाता था? इसका भी उन्होंने खुलासा करके कइयों को नंगा कर दिया। सफेदपोश से लेकर इस खेल के तार विदेशों तक जुड़े हैं। जो गिरोह फिलहाल पकड़ा गया है उसका मुखिया मियां-बीवी बताए गए हैं। पति नोएडा में ही रहता है और उसकी बीवी विदेश में रहकर समुद्र के जरिए नोएडा में ड्रग्स भिजवाती थी। छात्र इस तंत्र में कैसे फंसे, इसका भी खुलासा हुआ है। दरअसल, ड्रग्स तस्कर अच्छे से जानते हैं कि छात्रों को लालच देकर आसानी से फंसाया जा सकता है। सबसे पहले उन्हें इसका सेवन करवाते थे। फिर ज्यादा कमाने की लालच देते थे। कॉलेजों के अलावा छात्र नोएडा में कई सफेदपोशों, व्यापारियों, अधिकारियों आदि को भी उनकी डिमांड पर ड्रग्स मुहैया करवाते थे। ड्रग सिंडिकेट के इस तंत्र के एक्सपोज होने के बाद पेरेंट्स को होशियार होना होगा? अभिभावक अपने सपनों को सच करने के लिए अपनी कमाई का सारा हिस्सा पेट काटकर अपने बच्चों को नामी शिक्षण संस्थाओं में भेजते हैं। लेकिन उन्हें क्या पता, उनका बच्चा वहां पढ़ाई करता है या फिर कुछ और? नशा एक ऐसा चस्का है जो एक बार चख ले, फिर आसानी से नहीं छोड़ता। प्रत्यक्ष रूप से शिक्षण संस्थाओं को दोष इसलिए नहीं दे सकते, क्योंकि उन्हें तो शिक्षा के नाम से व्यापार करना होता है? उनके यहां आपका बच्चा नहीं पढ़ेगा, तो किसी दूसरे का पढ़ेगा? यहां जरुरी ये हो जाता है कि शिक्षण संस्थाओं के अलावा अभिभावकों को भी अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ बाकी अन्य गतिविधियों पर बराबर नजर बनाए रखनी की आवश्यकता है। कुछ प्वाइंटों पर अभिभावकों को सतर्क होना पड़ेगा। जैसे, अगर बच्चों के हाथों में महंगे फोन्स, मार्डन इलेक्ट्रानिक्स गैजेट्स, पार्टी-फंक्शन में जाने वाले महंगे से महंगे कपड़े जब देखें, तो तंरत सावधान हो जाएं और बिना देर किए उनसे सवाल करके पूछना चाहिए कि ये सब कहां से आए? नामी शिक्षण संस्थाएं बेशक छात्रों को अपने यहां सभी सुविधाएं उपलब्ध क्यों न करवाते हो? बावजूद इसके अभिभावकों को समय निकालकर बच्चों के हॉस्टल जाकर उनकी तमाम गतिविधियों और सामानों की निगरानी करनी चाहिए। जरा भी शक हो, कॉलेज प्रबंधन को अवगत कराएं और हो सके तो मनोचिकित्सकों से अपने बच्चों की काउंसिलिंग भी करवाएं।

**(लेखक, स्तंभकार हैं।)**

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन नः-06252-296796,
प्रसारः-9470050309 ईमेलः- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

# अंतरात्मा का जंतर मंतर का लोकार्पण समारोह, अनूप जी ने साहित्य जगत में व्यंग्य को मान दिया, प्रतिष्ठा दी: सुभाष चन्दर

लखनऊ। माध्यम साहित्यिक संस्थान द्वारा वरिष्ठ व्यंग्यकार अनूप श्रीवास्तव की सद्य प्रकाशित व्यंग्य संग्रह अंतरात्मा का जंतरमंतर के लोकार्पण समारोह में प्रसिद्ध व्यंग्यकार और आलोचक सुभाष चंदर ने कहा कि अनूप जी ने व्यंग्य का मान बढ़ाया है। उसे प्रतिष्ठा दी है उनका व्यंग्य बैठे ठाले का व्यंग्य नहीं है। उनके लिए व्यंग्य विद्रूपों से लड़ने का हथियार है। अंतरात्मा का जंतर मंतर की व्यंग्य रचनाएँ गम्भीर सरोकारों की अभिव्यक्ति का माध्यम है।

जनोन्मुखता उनका सबसे बड़ा गुण है। यही कारण है उनकी रचनाएं पढ़कर पाठक तिलमिलाता है। आक्रोशित होता है। करुणा से भर जाता है। अंतरात्मा का जंतर मंतर की व्यंग्य रचनाएं इस कसौटी पर खरी उतरती हैं। उन्होंने कहा अनूप जी के व्यंग्य का कैनवस बहुत विशाल है।

राजनीतिक विद्रुपों पर उनकी दृष्टि तो है ही, इसके अलावा वे अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य,सामाजिक चेतना, साहित्यिक, आर्थिक, धार्मिक आदि विषयों से जुड़ी विसंगतियों पर भी शरसंधान करते हैं।

इनकी कृति सरोकारों के स्तर पर बेहद समृद्ध है और पाठकों से पढ़े जाने की मांग

करता है। इस अवसर परअलीगंज पत्रकार कालोनी में आयोजित लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित व्यंग्य आलोचक सुभाष चन्दरका सारस्वत सम्मान हुआ। उन्हें माध्यम की ओर से परसाई सम्मान एवम अंग वस्त्रम, पुष्प से नवाजा गया। उनके साथ ही वरिष्ठ व्यंग्यकार राजेन्द्र वर्मा और युवा व्यंग्यकार अलंकार रस्तोगी का भी सम्मान किया गया।

वरिष्ठ पत्रकार और व्यंग्य लेखक अनूप श्रीवास्तव व्यंग्यकार आलोक शुक्ल, प्रसिद्ध साहित्यकार और कथाकर्मी संजीव जायसवाल संजय ने उनका सारस्वत सम्मान किया। उन्होने उनके साहित्यिक अवदान की चर्चा की। अनूप जी के व्यंग्यसंग्रह अंतरात्मा की आवाज़ की चर्चा करते हुए राजेन्द्र वर्मा ने कहा अनूप जी के साहित्यिक अवदान से सभी परिचित हैं।

संजय जायसवाल ने स्वतन्त्र भारत अखबार में कई दशकों में छपे उनके लोकप्रिय कालम 'काँव काँव' को पढ़कर हमारी पूरी पीढ़ी बड़ी हुई है। आलोक शुक्ल ने अनूप जी के संस्मरणो की चर्चा करते हुए अट्टहास पत्रिका की अंतरराष्ट्रीय लोकप्रियता की चर्चा की। अलंकार रस्तोगी ने अनूप जी को युवा रचनाकारों को व्यंग्यमन्च पर प्रतिष्ठित करने का श्रेय देते हुए कहा उन्होंने लखनऊ को व्यंग्य की राजधानी बना दिया।

वरिष्ठ पत्रकार शबाहत विजेता ने माध्यम से लंबे जुड़ाव की चर्चा की। प्रख्यात व्यंग्य लेखिका वीना सिंह और इंद्रजीत कौर ने कहा अनूप जी ने अट्टहास के द्वारा न केवल युवा व्यंग्यकारों को सशक्त मंच दिया है और सामाजिक सरोकारों से व्यंग्य को लोकप्रिय बनाने की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस अवसर पर दिल्ली की युवा कवयित्री रश्मि अग्रवाल की काव्य कृति धूप की गुनगुन हमे दो, इंद्रजीत कौर के व्यंग्यसंग्रह,चुप्पी की चतुराई प्रसिद्ध युवा कथाकार एवम व्यंग्य की समर्थ लेखिका वीना सिंह के व्यंग्य संकलन भांति भांति के चमचे' का लोकार्पण भी हुआ।

अनूप जी ने अपने लेखन और व्यंग्य के लिए समर्पित रचनाकारो की चर्चा की। इसके पश्चात आलोक शुक्ल, राजेंद्र वर्मा, संजीव जायसवाल संजय, शबाहत हुसैन, अलंकार रस्तोगी, सुश्री इंद्रजीत कौर, सुश्री वीना सिंह, डॉ.शिव प्रकाश, श्रीमती मंजू श्रीवास्तव आदि ने लघु व्यंग्य पाठ भी किया।

सुभाष चन्दर जी को अट्टहास हास्य व्यंग्य मासिक में पिछले वर्षो मेंउनके प्रकाशित व्यंग्य लेखों और हास्य कहानियों के अंक भी भेंट किये गए। एक लंबे अरसे बाद लोकार्पण समारोह के बहाने यह एक सुखद व्यंग्य सन्ध्या थी।

---

**ऋतु जोशी, कोटा (राजस्थान)**

## मुझे अच्छा लगेगा

मै तो आई हूं कई बार
तेरी बनाई हदों के पार
अपने प्रेम के पुल से
इक बार जो तू भी
मुझसे मिलने की इच्छा जताए
तो मुझे अच्छा लगेगा ..

मैंने तो निभाए हैं
तेरे गढ़े सब अनुबंध, प्रतिबंध
तेरे प्रेम को पाने के लिये
तू भी कभी प्रेम की रीत निभाए
तो मुझे अच्छा लगेगा ..

न जाने कितनी रातें कटीं हैं बेचैन
तेरी याद में करवटें बदलते हुए
तू भी कोई एक रात
मुझे सोचते हुए बिताए
तो मुझे अच्छा लगेगा ..

मैं जो जताऊँ और बताऊँ वो
तो खूब समझता है तू
कभी जो मेरी खामोशियाँ पढ़ पाए
तो मुझे अच्छा लगेगा..

तेरी इक शिकन पर गुजरता है
मेरा पूरा दिन फिक्र में
तेरी बातों में भी कभी मेरा जिक्र आए
तो मुझे अच्छा लगेगा..

हर कोई कहता रहता है मुझसे
तेरे प्रेम नें कितनी दिवानी हूं मैं
कभी तू भी मेरे प्रेम में दिवाना कहलाए
तो मुझे अच्छा लगेगा ..

---

**प्रतिभा इन्दु, भिवाड़ी राजस्थान**

## पहचान पिता हैं

अंदर के अभिमान पिता हैं,
सुयश, प्रतिष्ठा, शान पिता हैं,
जीवन के इस रंगमंच पर,
मेरी तो पहचान पिता हैं !

जब धरती पर आँखें खोली,
तुतलाती थी मेरी बोली,
कभी गोद में मुझे उठाया,
उँगली धर चलना सिखलाया !
इस दिल के अरमान पिता हैं !
मेरी तो पहचान पिता हैं !

बाहों में ले मुझे झुलाया,
नव - जीवन का पाठ पढ़ाया,
झूठ बोलना नहीं सिखाया,
सदा सत्य - पथ ही दिखलाया !
दिव्य गुणों का खान पिता हैं !
मेरी तो पहचान पिता हैं !

करो बंदना , नित कर जोड़ो,
कभी पिता का दिल मत तोड़ो,
ईश्वर तो बैठे हैं नभ में,
पिता रूप ले आये जग में !
चंद्र, गगन, दिनमान पिता हैं !
मेरी तो पहचान पिता हैं !

है गौरव, हूँ अंश तुम्हारा,
मिला आपसे सदा सहारा,
भूतल का वो श्रेष्ठ , प्रवर - नर,
देव , नक्षत्रों से भी ऊपर !
धरती पर भगवान पिता हैं !
मेरी तो पहचान पिता हैं !

---

## लघुकथा: टीगार्ड

**वीरेंद्र बहादुर सिंह, नोएडा।**

जेल से छूटा युवक आग बरसती उस दोपहर को किसी छाया वाले वृक्ष की तलाश में चला जा रहा था। तभी सड़क किनारे एक पार्क मिला। वह आराम करने के लिए पार्क में एक पेड़ की छाया में बैठ गया। उस पेड़ को उसने टीगार्ड के बीच फंसा देखा तो परेशान हो गया।

उसने तुरंत उस पेड़ को टीगार्ड से मुक्त किया।

---

## सोशल मीडिया का छलावा ज़माना

**जानभी चौधुरी, बालेश्वर, ओड़िशा**

जी हाँ, आज कल सोशल मीडिया का ज़माना है, जिसके बिना सायद इंसान जी नहीं सकता है। पानी के बिना भले ही जी लें, मगर इंटरनेट या सोशल मीडिया के बिना जीना बड़ा ही दूभर है। ये भी नहीं कहा जा सकता कि सोशल मीडिया ज़रूरी नहीं है, मगर ज़रूरी से जब ज़रुरत बन जाए और ज़रुरत से आदत तो ये सिर्फ़ क्षति ही पहुंचाता है। और तन, मन पर निर्भर करता है, मन अशांत तो तन भी बिगड़ने लगता है।

कुल मिला कर ज्यादा से ज्यादा 16 लाख साइबर क्राइम केसेस, भारत में होते देखा गया था 2020 में , और उसमे से 32,000 FIRs है। और अब 33 अरब लोग हर दिन साइबर क्राइम के शिकार होते हैं। साइबर क्राइम हर साल बढ़ती ही जा रही है, सतर्क रहे, ये बहुत हानिकारक है। 4 जून में राजस्थान, में देखा गया है, की एक अपराधी, एक अंतबस्त्र के कंपनी से, 15 लाख लड़कियों के निजी जानकारी को निकालता है, जिसमें ईमेल था, पता था और लड़कियों के अंतबस्त्र के माप थे।

कुछ दिन तक कारवाही चलती रही कुछ जानकारी भी मिली उसे, वह पकड़ा गया। मगर सतर्क रहना बेहद ज़रूरी है। और हमारे सरकार को भी इसके लिए कड़ी से कड़ी नियम बनाने की आवश्यकता है। ताकि लड़कियां हर क्षेत्र में सुरक्षित रहें।

आज कल सोशल मीडिया के ज़रिये रिश्ता रखा जाता है। रिश्तों का मोल अब सोशल मीडिया में बंधके रह गया है। दिखावा करना और रिश्तों का प्रेम सिर्फ चेट्स तक रहना आज कल का फैशन हो गया है। न कभी हालचाल पूछते हैं, न ही कभी याद करते हैं, अब अपने बेगाने होते जा रहे हैं और पराये अपनो का फर्ज अदा पूरा कर रहे हैं।

धर्म का प्रचार कर, ग़लत राय बनाके, ग़लत आरोप लगाके, बदनाम करने की कोशिश करते हैं। जिसको अपना मानते हो वही आखिर में आपको डस्ते हैं। धर्म तो बहाना है, निजी दुश्मनी जो निकालना है। ऐसे लोगों से, ऐसे ज़हरपन से कोसों दूर रहना चाहिए, इसलिए नहीं की हम डर रहे हैं, बल्कि इसलिए क्यों की ीता समय वापस नहीं लौटता है और ऐसे लोगों के साथ ऐसे बातों पर वक़्त जाया करना फिजूल है।

आचरण और चरित्र गंगा पानी सा रखो कि कोई और पानी भी आए तो वह भी साथ में घुल जाए। बहुत लोग ऐसे भी हैं, जो खुद को अपना बताके आपसे जलते रहते हैं, और योजना बनाते हैं, कैसे इसका नाम खराब किया जाए। तब समझियेगा की सही माईने में आप कामयाब हुए हैं, तभी कोई आपसे जल रहा है।

रिश्ता अगर दिखावे से बढ़के दिल से हो तो, उसे ज़्यादा खूबसूरत और कुछ भी नहीं और रिश्ता अगर दिल से न होके नाम और काम से हो तो वह सिर्फ़ ज़रुरत तक ही आपको पूछते हैं। सोशल मीडिया ज़रूरी है, ज़रुरत नहीं।

# शैम्पू करते हुए करेंगे यह गलतियां तो झड़ने लगेंगे बाल

जब बात बालों को शैम्पू करने की होती है तो वह सिर्फ शैम्पू का इस्तेमाल करने तक ही सीमित नहीं है। आपको इसके बाद कंडीशनर भी अवश्य लगाना चाहिए। यह आपके बालों को स्मूद बनाता है। जिससे कॉम्ब करते समय आपके बाल कम टूटते हैं।

बालों की केयर का सबसे पहला व जरूरी स्टेप है हेयर वॉश करना। यह बालों व स्कैल्प पर जमी ऑयल व गंदगी को दूर करने में मदद करता है। हालांकि, हेयर वॉश करने का अपना एक तरीका होता है।

**बालों की केयर का सबसे पहला व जरूरी स्टेप है हेयर वॉश करना। यह बालों व स्कैल्प पर जमी ऑयल व गंदगी को दूर करने में मदद करता है। हालांकि, हेयर वॉश करने का अपना एक तरीका होता है।**

अगर आप शैम्पू करते हुए कुछ छोटी-छोटी मिसटेक्स करते हैं तो इससे हेयर फॉल की समस्या शुरू हो सकती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको शैम्पू से जुड़ी उन गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जिससे आपको बचना चाहिए-

## जोर से रगडऩा

कुछ लोगों की आदत होती है कि वह शैम्पू करते हुए बालों को तेजी से रगड़ते हैं। लेकिन आपको वास्तव में ऐसा नहीं करना चाहिए। दरअसल, जिस समय आप बालों को वॉश करते हैं, उस समय वह बेहद कमजोर होते हैं। ऐसे में अगर उन्हें जोर से रगड़ा जाए तो वह टूटने लग जाते हैं। आप चाहें तो शैम्पू करने के बाद हल्की मसाज कर सकते हैं, लेकिन तेजी से रगडऩे से बचें।

## कंडीशनर को स्किप करना

जब बात बालों को शैम्पू करने की होती है तो वह सिर्फ शैम्पू का इस्तेमाल करने तक ही सीमित नहीं है। आपको इसके बाद कंडीशनर भी अवश्य लगाना चाहिए। यह आपके बालों को स्मूद बनाता है। जिससे कॉम्ब करते समय आपके बाल कम टूटते हैं।

## बार-बार शैम्पू स्विच करना

कई बार ऐसा होता है कि हम टीवी में कोई ऐड देखते हैं और उससे प्रभावित होकर किसी नए ब्रांड का शैम्पू ले आते हैं। लेकिन इस तरह बार-बार शैम्पू को स्विच करना बालों के लिए सही नहीं माना जाता। कई शैम्पू में केमिकल्स का

इस्तेमाल किया जाता है और यह आपके बालों को डैमेज भी कर सकते हैं।

# नाक पर पड़े चश्मे के दाग, इन नुस्खों से हटाए इन्हें

**वर्तमान समय में देखने को मिलता हैं कि हर पांचवे शख्स की आंखों पर चश्मा लग चुका हैं, बड़े तो बड़े, बच्चे भी इससे अछूते नहीं हैं। जिनकी आंखों पर पावर का चश्मा लगा होता है उनकी सबसे बड़ी समस्या यह होती है उन्हें हमेशा चश्मा पहने रहना पड़ता है।**

लगातार कई घंटो तक रोज चश्मा पहनने की वजह से हमारी नाक पर काले निशान पड़ जाते हैं, जो देखने में बेहद खराब लगते हैं। नाक पर पड़े चश्मे के ये दाग चेहरे की खूबसूरती को घटाते हैं। लेकिन घर में ही मिलने वाली कुछ चीजों का उपयोग करके आप आसानी से इन धब्बों से छुटकारा पा सकते हैं। आज हम आपको बताने वाले है नाक पर बने चश्मे के काले निशानों को हटाने के तरीको के बारे में। आइये जानते हैं...

## खीरा

खीरा खूब खाएं भी और इसे चश्मे के निशान को हटाने के लिए इस्तेमाल भी करें। छोटे-छोटे टुकड़े काट कर निशान वाली जगह पर रखें या फिर पेस्ट बनाकर लगाएं। 10 मिनट के लिए सूखने दें फिर पानी से साफ कर लें। खारी त्वचा को कूलिंग एफेक्ट देता है। विटामिन के होता है, जो त्वचा को चमक प्रदान करता है। दाग-धब्बों को कम करता है।

## एलोवेरा

एलोवेरा की पत्ती को बीच से काट लें और उसके गूदे का पेस्ट बना लें। अब इसके पेस्ट को नाक पर बने हुए निशान पर लगाएं और हल्के हाथों मसाज करें। एलोवेरा में मॉइस्चराइजिंग और एंटी-एजिंग गुण पाए जाने के कारण यह नाक पर बनने वाले निशान को कुछ दिनों में गायब कर देगा।

## टमाटर

टमाटर चेहरे के दाग-धब्बों को दूर करने में बहुत कारगर होता है। इसमें एक्सफोलिएशन का गुण पाया जाता है। जिससे आपके चेहरे की मृत त्वचा हट जाती है। अपने चेहरे और नाक के काले धब्बे हटाने के लिए टमाटर का पेस्ट बनाकर लगाएं। इसके उपयोग से कुछ ही दिनों में आपके नाक के दाग दूर हो जाएंगे।

## आलू

आलू में कई प्राकृतिक गुण होते है और इसलिए यह हमारे स्किन के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। आलू में कुछ ऐसे तत्व होते है तो चेहरे के दाग धब्बों को हटाने में कारगर साबित होते है। इसलिए आंखों के नीचे और नाक पर काले निशानों को हटाने के लिए कच्चे आलू को छिलकर उसका रस निकाल लें और इसे अपने आंखों के आस पास लगाएं और पद्रंह मिनट के लिए छोड़ दें। प्रदंह हमनट बाद इसे ठंडे पानी से धो लें।

## नींबू का रस

इसे लगाने से भी त्वचा संबंधित समस्याओं को दूर किया जा सकता है। नींबू के रस को आप चश्मे के निशान वाली जगह पर लगाएं और 10 मिनट के लिए छोड़ दें। अब पानी से साफ कर लें। नींबू के रस में मौजूद ब्लीचिंग प्रॉपर्टीज दाग-धब्बों को कम कर चेहरे में निखार लाता है। इसमें विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं, जो त्वचा को हेल्दी रखते हैं, फ्री रेडिकल्स से लड़ते हैं।

## संतरे के छिलके

ताजे संतरे के छिलके का उपयोग करके भी चश्मे के कारण पडने वाले निशान को दूर किया जा सकता है। संतरे के छिलके को पीसकर इसमें हल्का सा दूध मिला लें और निशान वाली जगह पर हल्के हाथों मालिश करें। एंटीसेप्टिक और हीलिंग का गुण होने के कारण यह नाक पर पडने वाले निशान को गायब कर सकता है।

## शहद लगाएं

नाक पर चश्में के कारण बने काले निशानों को हटाने के लिए शहद और दूध को बराबर मात्रा में मिला लें। इसमें थोड़ा सा जई का आटा भी मिलाएं। इस पेस्ट को निशान वाली जगह पर लगाएं।

इसे चेहरे पर बीस मिनट तक लगे रहने दें फिर ठंडे पानी से धो लें। इसे रोज लगाने की कोशिश करें। निशान जरूर दूर हो जाएंगे।

## बादाम तेल

बादाम के तेल में विटामिन इ की अच्छी मात्रा पाई जाती है जो स्किन पर मौजूद किसी भी तरह के निशानों को दूर करने की क्षमता रखता है। अगर आपके नाक पर भी चश्मा पहनने के कारण निशान पड़ गए है तो एक बार इस उपाय का इस्तेमाल करके देखें। इसके लिए रात को सोने से पहले रोजाना अपनी नाक के दाग वाले हिस्से पर बादाम तेल से मालिश करें। कुछ ही दिनों में दाग हमेशा के लिए गायब हो जाएंगे।

## गुलाबजल

ग्लोइंग और खूबसूरत त्वचा के लिए गुलाबजल का प्रयोग बड़े स्तर पर किया जाता है लेकिन क्या आप जानती है की इसकी मदद से आप अपनी नाक पर पड़े चश्मे के दागों को भी हमेशा के लिए हटा सकती है। इसके लिए रात को सोने से पहले रुई से अपनी नाक पर गुलाबजल लगाएं। नियमित रूप से इसका प्रयोग करने से आपके दाग हमेशा के लिए दूर ही जाएंगे।

# शरीर में आयरन की कमी के संकेत हो सकते हैं ये लक्षण

सेहतमंद रहने के लिए बेहद जरूरी है कि शरीर में सभी आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति की जाए। स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक आहार खाना काफी जरूरी होता है। हमारे शरीर के संपूर्ण विकास के लिए कई सारे पोषक तत्व जरूरी होते हैं। ऐसे में पौष्टिक आहार की मदद से शरीर को जरूरी न्यूट्रिएंट्स मिलते हैं। यह बेहद जरूरी है कि इसकी कमी होने पर तुरंत ही शरीर में इसकी पूर्ति की जाए।

## पीली त्वचा

खून में मौजूद हीमोग्लोबिन की वजह से आमतौर पर हमारी त्वचा हल्की लाल रंग की नजर आती है। लेकिन अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है, तो इसकी वजह से आपकी स्किन के रंग में बदलाव आने लगता है। आयरन की कमी की वजह से अक्सर त्वचा पीली नजर आने लगती है। इसके अलावा स्किन पर काले या नीले रंग के दाग भी बन सकते हैं।

## हाथों-पैरों का ठंडा होना

शरीर में आयरन की कमी होने पर हाथ-पैर ठंडे रहने लगते हैं। अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है, तो इसकी वजह से आपको भी हाथ-पैर ठंडे महसूस हो सकते हैं। ऐसे में अगर आप अपने अंदर लगातार इस तरह के संकते देख रहे हैं, तो तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

## नाखूनों का कमजोर होना

आयरन की कमी होने पर इसका असर हमारे नाखूनों पर भी नजर आता है। आमतौर पर कमजोर नाखून कैल्शियम की समस्या की वजह से हो सकते हैं, लेकिन कई बार यह आयरन की कमी का संकेत भी होते हैं। ऐसे में अगर आपके नाखून भी कमजोर पर ज्यादा टूट रहे हैं, तो आपको इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

## बालों की समस्या

नाखूनों के साथ ही आयरन की कमी की वजह से बालों पर भी असर पड़ता है। हीमोग्लोबिन के निर्माण में आयरन एक अहम भूमिका निभाता है।

ऐसे में अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है, तो इससे आपके नाखून और बाल भी प्रभावित होने लगते हैं। दरअसल, आयरन की कमी की वजह से बालों को जरूरी पोषण नहीं मिल पाता है, जिससे वह झड़ने और कमजोर होने लगते हैं।

## आयरन की कमी के अन्य लक्षण

शरीर में आयरन की कमी अक्सर एनीमिया की समस्या को जन्म देती है। यह एक गंभीर समस्या होती है। अगर शुरुआती स्तर में इसकी पहचान कर ली जाए, तो वक्त रहते इसे सही इलाज की मदद से ठीक किया जा सकता है। आयरन की कमी के कुछ अन्य सामान्य लक्षण निम्न हैं-

थकान, बेहोशी, सिर दर्द, कमजोरी, छाती में दर्द, गले में खराश, जीभ में सूजन, सांस लेने में तकलीफ, मुंह के किनारों का फटना, दिल के धड़कन का बढ़ना।

## किन चीजों से करें आयरन की पूर्ति

शरीर में आयरन की कमी एक गंभीर हालात उत्पन्न कर सकती है। ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि समय से इसके लक्षणों की पहचान कर

शरीर में इसकी पूर्ति की जाए। अगर आप आपके शरीर में भी आयरन की कमी है, तो आप इसके कमी पूरी करने के लिए अपनी डाइट में रेड मीट और पोल्ट्री, सी फूड, बीन्स, गहरी हरी पत्तेदार सब्जियां सूखे मेवे, किशमिश और खुबानी आदि को शामिल कर सकते हैं।

# घर को एलर्जी से दूर रखने के लिए अपनाएं ये आसान तरीके

घर पर हे फीवर या एलर्जी अस्थमा के लक्षणों का अनुभव करना आम हो रहा है। एलर्जी हमेशा किसी एक मौसम में नहीं होती है। ये साल के किसी भी समय आप पर हमला कर सकती है। हालांकि जब बाहर की दुनिया की बात आती है तो आप बदलाव नहीं कर सकते हैं, लेकिन कुछ ऐसे कदम हैं जिन्हें आप अपने घर में एलर्जी को कम करने के लिए अपना सकते हैं। कोशिश करें कि आपका घर किसी भी ऐसे तत्व से मुक्त है जो आपको एलर्जी की समस्या से परेशान कर सकता है।

## पालतू जानवरों को बेडरूम से दूर रखें

याद रखें कि बेडरूम आपके परिवार के हर सदस्य के लिए आराम की जगह है। अगर परिवार में किसी को पालतू जानवरों से एलर्जी है, तो अपने पालतू जानवरों को बेडरूम से दूर रखें। अपने पालतू जानवरों को एक अलग कमरे में सुलाएं। उन्हें हफ्ते में एक बार नहलाएं ताकि उनके फर से एलर्जी दूर हो सके।

**कुछ ऐसे कदम हैं जिन्हें आप अपने घर में एलर्जी को कम करने के लिए अपना सकते हैं। कोशिश करें कि आपका घर किसी भी ऐसे तत्व से मुक्त है जो आपको एलर्जी की समस्या से परेशान कर सकता है।**

## फर्नीचर का चुनाव सोच-समझकर करें

क्या आप हर बार सोफे पर लेटने पर असुविधा महसूस करते हैं? फर्नीचर में अपहोल्स्ट्री या गंदगी इसका कारण हो सकती है। आप अपहोल्सट्री के बिना सोफा और कुर्सियों को चमड़े, लकड़ी, धातु या प्लास्टिक से बने फर्नीचर से बदल सकते हैं। ये साफ करने में आसान होते हैं और एलर्जी को भी दूर रखते हैं।

## फ्रिज को साफ रखें

रेफ्रिजरेटर को साफ रखना आपकी रसोई को एलर्जी मुक्त और स्वच्छ रखने की दिशा में एक जरूरी कदम है। फ्रिज में ज्यादा नमी को पोंछें।

# दाग-धब्बे हटाकर फ्लॉलेस स्किन पाने के लिए इस्तेमाल करें ये पानी

**गर्मियों** के मौसम में स्किन पर कई तरह की एलर्जी और एक्ने हो जाते हैं। इनसे आपको छुटकारा तो मिल जाता है लेकिन इनके खत्म होने के बाद आपकी स्किन पर निशान रह जाते हैं। जिसकी वजह से आपकी चेहरे की खूबसूरती बिगड़ जाती है। स्किन पर दाग-धब्बों को खत्म करने के लिए आप घर के बने एलोवेरा और चावल के पानी का इस्तेमाल कर सकते हैं। यहां जानें कैसे बानएं और कैसे करें इसका इस्तेमाल।

## कैसे बनाएं चावल का पानी

चावल का पानी बनाने का सबसे तेज तरीका इसे भिगोना है। इसके लिए आधा कप कच्चा चावल लें और फिर अच्छी तरह धो लें। फिर चावल को 2-3 कप पानी के साथ कटोरे में रखिये। फिर 30 मिनट के लिए भीगने के लिए छोड़ दें। बाद में चावल के पानी को साफ बर्तन में छान लें। चावल का पानी तैयार है।

## कैसे बनाएं एलोवेरा और चावल का पानी

इसे बनाने के लिए आपको सिर्फ एलोवेरा जेल और चावल के पानी की जरुरत होती है। इसके लिए आपको दोनों चीजों को बस मिक्स करना है और फिर उसे एक तरफ रख दें।

## कैसे करें इसका इस्तेमाल

खूबसूरत फ्लॉलेस स्किन के लिए इस पानी को रोजाना रात में सोने से पहले इस्तेमाल करें। इसके लिए सबसे पहले चेहरे को अच्छे से साफ करें। फिर इस पानी को चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथ से मसाज करें और लगा कर छोड़ दें। फिर अगली सुबह चेहरे को अच्छे से धो लें। अच्छे रिजल्ट के लिए इसको रोजाना के स्किन केयर में शामिल करें।

**एलोवेरा में एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं। एलोवेरा स्किन के लिए खूब फायदेमंद होता है, वहीं ग्लोइंग और बेदाग स्किन पाने के लिए आप इसको यूज कर सकते हैं।**

चावल का पानी आपके चेहरे के लिए अच्छा होता है। चावल का पानी आपकी स्किन को चमक देने के लिए जाना जाता है। इसमें विटामिन ई, एंटीऑक्सिडेंट और फेरुलिक एसिड होता है जो आपके रंग को टोन, कसने और चमकदार बनाने में मदद करता है।

वहीं एलोवेरा में एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं। एलोवेरा स्किन के लिए खूब फायदेमंद होता है, वहीं ग्लोइंग और बेदाग स्किन पाने के लिए आप इसको यूज कर सकते हैं।

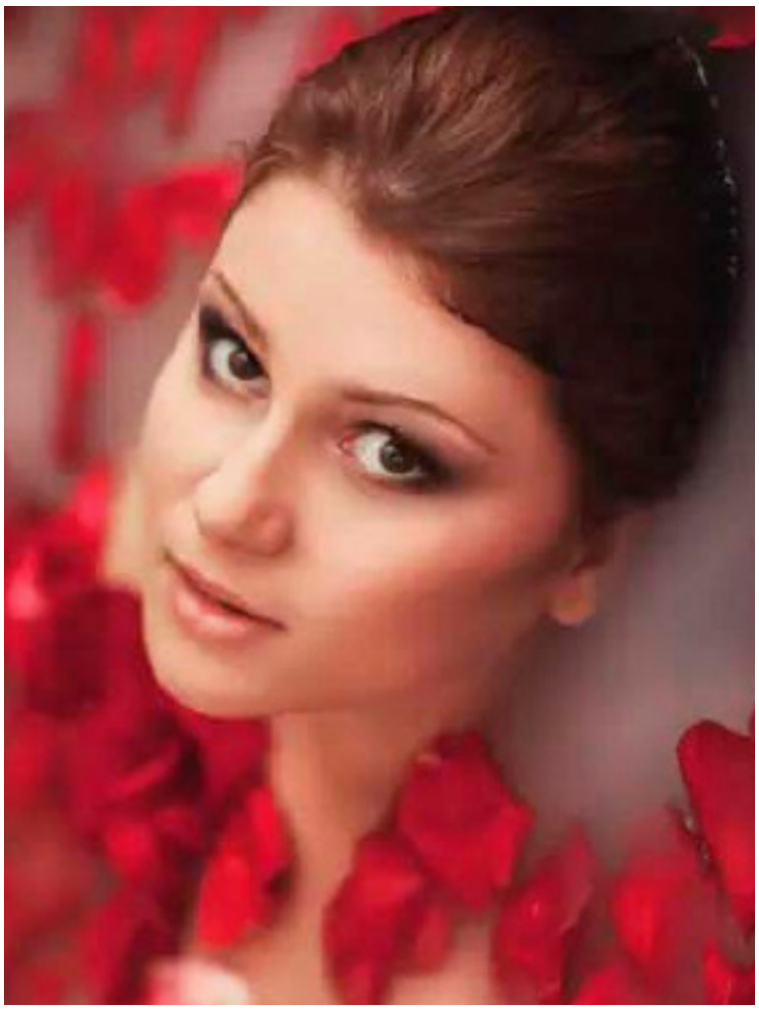

# पसीने की बदबू दूर करने के कारगर DIYs, स्किन प्रॉब्लम्स भी हो जाएंगी दूर

**शरीर** से दुर्गंध आना कई लोगों की एक आम समस्या है और गर्मी के मौसम में ज्यादा गर्मी और पसीने के कारण यह समस्या और भी बढ़ जाती है। सबसे बड़ी बात यह है कि कुछ लोग ऐसे होते हैं, जिनके पसीने में दूर ही काफी बदबू आती है।

गौर करें, तो पसीना आना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है और पसीना गंधहीन होता है, लेकिन कई लोग यह सोचते हैं कि पसीना अगर गंधहीन यानी इसमें कोई भी महक नहीं होती, तो फिर कई लोगों के पसीने से बदबू क्यों आती है। यह शरीर पर बैक्टीरिया का विकास है, जो गंध का कारण बनता है।

बाजार में कई बॉडी टैल्क और डिओडोरेंट्स उपलब्ध हैं, लेकिन वे लंबे समय तक बदबू का मुकाबला नहीं कर सकते हैं।

## ठीक से नहाएं

नहाना सबसे अहम है। जिन लोगों को ज्यादा पसीना आता है, उन्हें रोजाना और दो बार नहाना चाहिए। एक अच्छे एंटी-बैक्टीरियल साबुन का इस्तेमाल करें। आप ककड़ी, एलोवेरा, टी ट्री ऑयल, नीम या मेन्थॉल से दिन में दो बार बॉडी वाश भी ले सकते हैं। इससे शरीर से बैक्टीरिया दूर रहते हैं।

## नीम की पत्तियां

नीम के कई औषधीय गुण हैं। मुट्ठी भर नीम की पत्तियों में पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। 15 मिनट के लिए लगाएं और धो लें। नीम के पत्तों को पानी की बाल्टी में डालें और उस पानी से नहाएं।

## नारियल का तेल

नारियल के तेल के कई फायदे होते हैं। नहाने के बाद अंडरआर्म्स पर नारियल का तेल लगाएं। नारियल तेल के रोजाना इस्तेमाल से भी अंडरआर्म्स का कालापन हल्का हो जाएगा। नारियल के तेल में पौष्टिक गुण होते हैं। यह स्किन को नमीयुक्त और पोषण भी देगा।

## पानी पिएं

पर्याप्त पानी पीने से आप अंदर से हाइड्रेट रहेंगे। यह शरीर से टॉक्सिक को बाहर निकालता है, जिससे शरीर में बदबू पैदा करने वाले बैक्टीरिया को हटा दिया जाता है। साथ ही, पानी एक न्यूट्रलाइजर है, तो यह आंतों में बैक्टीरिया की रोकथाम भी करेगा।

## मीठा सोडा

बेकिंग सोडा के पेस्ट को बराबर भागों में कॉर्न स्टार्च के साथ लगाने से नेचुरल डियोडोरेंट का काम होगा।